कविता में है समाज और राष्ट्र को सम्भालने की ताकत

ब्रह्माकुमारी संस्था साक्षी बनी छठवे राष्ट्रीय कवि संगम का

कवि संगम में हुआ गुजरात के राज्यपाल का महत्वपूर्ण सम्बोधनः कवियों ने देश की संस्कृति को बिखरने से बचाया है

दो दिवसीय कवि संगम कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गुजरात के राज्यपाल ओपी कोहली एवं पूरे देश से आए हुए कविगण।

आबू रोड, शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज के आबू रोड स्थित मनमोहिनी वन कम्पलेक्स के ग्लोबल ऑडीटोरियम में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कवि संगम' का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे देश भर से लगभग 450 प्रसिद्ध कवियों ने भाग लिया। छठे 'राष्ट्रीय कवि संगम' के समापन सत्र में देशभर के कवियों को संबोधित करते हुए गुजरात के राज्यपाल ओ.पी.कोहली ने कहा कि कविता में ऐसी ताकत होती है कि वह व्यक्ति को रूला भी देती है तो हंसा भी देती है। यह जनमानस में उन्माद भी पैदा कर देती है तो सद्भाव भी। सही मायने में कविता में समाज और राष्ट्र को संभालने की ताकत होती है। उन्होंने कहा कि यदि पूरे देश के कवि मिलकर समाज में इस भावना का संचार करना प्रारंभ कर दे तो समाज की पूरी रूपरेखा ही बदल जाएगी। प्रेम की कई परिभाषाएं है जो माँ-बेटा, पति-पत्नी, भाई-बहन, राष्ट्र प्रेम आदि के रूप में परिलक्षित होती है। यह ऐसा ताना-बाना है जिसकी डोर बहुत मजबूत होती है। उन्होंने आजादी के दिनों को याद करते हुए कहा कि जब हमारे देश में अंग्रेजों का राज्य था, संस्कृति बिखर रही थी तब कालीदास रामचरित मानस लेकर आए और देश की संस्कृति को संभालने की कोशिश की। जिसकी डोर में आज तक भारतीय समाज बंधा हुआ है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में किया गया यह आयोजन कई मायनों में अहम होगा। राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष जगदीश मित्तल ने कहा कि वह कविता किसी काम की नहीं होती जिसमें समाज बदलाव और जागरण का कोई सूत्र न हो। इसलिए कवियों को वर्तमान समाज और व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए इसकी अलख जगानी होगी।

भारत में प्रवाहित होती है कविता की धारा - पारिक

कार्यक्रम के संयोजक किशोर पारिक ने कविता प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिस देश में कविता की धारा प्रवाहित होती हो उस देश को कोई झूका नहीं सकता है। हमारा देश महान है और महान रहेगा। जरूरत है इसमें और पैनपन और धार देने की। इसके साथ ही हमारा यह प्रयास सार्थक होगा। कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से देश के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कविता मूल्यों के प्रति जागरूक करती है

जहां सूर्य की किरणें नहीं पहुंचती वहां कवि की धारा पहुंच जाती है। इसलिए कवि समाज के दर्पण और संस्कार के झोली है। कवियों की रचनाएं न सिर्फ हमारे हृदय पर प्रभाव डालती है बल्कि हमारे अंदर उमंग-उत्साह का संचार भी करती है। कविता हमें मूल्यों के प्रति जागरूक करती है तो श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा भी देती है।

बीके मृत्युंजय, कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज

अभिषेक अनंत की कविता ने किया भाव विभोर

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर लिखी गई सुप्रसिद्ध कवि अभिषेक अनंत की कविता मुझे नाली में ना डालो बाबूजी.... जिस मार्मिक अंदाज में प्रस्तुत की गई उससे पूरा हॉल भाव-विभोर हो उठा। उपस्थित लोगों की आंखों से अश्रु की धारा बह निकली और उपस्थित लोग देर तक तालियां बजाते रहे। वहीं प्रसिद्ध कवि राजेश यादव की देशभक्ति की कविता ने सभी को राष्ट्र प्रेम से सराबोर कर दिया।

कवि श्रेष्ठ और मूल्यनिष्ठ समाज के मार्गदर्शक हैं। प्राचीनकाल से ही हर कार्य आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत रहा है जो समाज को साहित्य और अध्यात्म के सहारे जोड़ती रही है। भारत देश की विरासत पूरे विश्व में जानी और पहचानी जाती है। कवि की रचनाओं में भावनाओं का समुद्र छिपा होता है।

दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

भारत की आत्मा में बसती है शांति

भारत देश आध्यात्मिकता व शांति के धरोहर के रूप में विख्यात है। यहां युद्ध से ज्यादा अध्यात्म की शक्ति पर विश्वास किया जाता है। भारत देश हथियारों के बजाए शांति को तरजीह देता है।

इंद्रेश, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक